रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

बौद्धिक आतंकवाद को बौद्धिक समरसता के द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है–कुलपति प्रो. मिश्र

'बौद्धिक आतंकवाद : चुनौतियां एवं समस्यायें' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

जबलपुर 8 अगस्त। भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं प्राचीन ज्ञान परम्परा को क्षति पहुंचाने में बौद्धिक आतंकवाद की प्रमुख भूमिका रही है। अब समय आ गया है कि बौद्धिक आतंकवाद जैसी विकृति को समाप्त करने के लिए बौद्धिक वर्ग को अपनी भूमिका का सकारात्मक निर्वहन करना होगा। बौद्धिक आतंकवाद को बौद्धिक समरसता के द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है। उक्त विचार रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो कपिल देव मिश्र ने एक वेबिनार के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कही। रानी दुर्गावती शोध संस्थान व पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'बौद्धिक आतंकवाद : चुनौतियां एवं समस्यायें' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन दिनाँक 07–08–2020 से 10–08–2020 तक किया गया है। उक्त कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो मुकेश तिवारी, कुलपति, पं एस एन शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल ने कहा कि बौद्धिक आतंकवाद को पनपने का मुख्य कारण बौद्धिक वर्ग द्वारा इसका खुलकर विरोध न करना ही है। पूर्व कुलपति एवं आचार्य प्रो ए.डी. एन. बाजपेयी ने बौद्धिक आतंकवाद के विभिन्न रूपों की चर्चा करते हुए अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डाला। इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के इतिहास विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो योगेश्वर तिवारी ने अपने ओजस्वी उद्गार व्यक्त करते हुए मध्यकाल व स्वन्त्रता के पूर्व और पश्चात के विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए बौद्धिक आतंकवाद की विकरालता पर विस्तृत प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दूसरे दिन के वक्ताओं में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो रामशंकर ने बौद्धिक आतंकवाद एवं कश्मीर की समस्या पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि कुछ छद्म लोगों द्वारा बौद्धिक दृष्टिकोण को बदलकर बौद्धिक आतंकवाद पैदा किया जाता है। बौद्धिक आतंकवाद और भौतिक आतंकवाद एक दूसरे के पूरक हैं, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विमर्श स्थापित कर इसका प्रतिवाद करने की आवश्यकता है। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया से इतिहास विभाग के आचार्य प्रो एन के श्रीवास्तव ने बौद्धिक आतंकवाद की समस्या को इतिहास की विभिन्न घटनाओं एवं विचारधाराओं के आधार पर प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि साम्यवाद की नीति ही संघर्ष पर आधारित है, विभिन्न विद्वानों ने अपने लेखों को विघटनकारी रूप में प्रस्तुत किया है। जबलपुर की प्रो स्मृति शुक्ला ने गांधी दर्शन और भौतिक आतंकवाद विषय पर चर्चा करते हुए विभिन्न ग्रंथों में उल्लिखित किये गए विचारों को उद्धृत करते हुए कहा कि बौद्धिक आतंकवाद का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम के संयोजक प्रो राजीव दुबे, आचार्य, इतिहास विभाग एवं प्रभारी, केंद्रीय ग्रंथालय ने बताया कि चार दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में अंतरराष्ट्रीय समस्या 'बौद्धिक आतंकवाद' पर विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख विद्वानों के व्याख्यान का आयोजन कुलपति प्रो कपिल देव मिश्र की प्रेरणा से किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में प्रो सी एस एस ठाकुर, प्रो शैलेश चौबे, प्रो लोकेश श्रीवास्तव, डॉ सत्य प्रकाश त्रिपाठी, डॉ नीलेश शर्मा,

डॉ हरीश यादव, डॉ तरुणा राठौर, डॉ पूर्णिमा शर्मा सहित विभिन्न प्रदेशों के शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र छात्राओं की सहभागिता रही ।

.....

'साइबर सिक्युरिटी : करेंट आईटी ट्रेन्ड्स' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का समापन

वैश्विक स्तर पर साइबर सिक्युरिटी नितांत आवश्यक–कुलपति प्रो. मिश्र

रादुविवि के यूआईसीएसए (एम.सी.ए. विभाग) द्वारा माननीय कुलपति प्रो कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, विभागाध्यक्ष एवं संयोजक प्रो. मृदुला दुबे, सह संयोजक डॉ. सत्येन्द्र कुररिया एवं विषय विशेषज्ञ प्रो. इन्द्रसेन सुमन, देवी अहिल्या वि.वि., इन्दौर की उपस्थिति में 'साइबर सिक्युरिटी : करेंट आईटी ट्रेन्ड्स' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का समापन दिनाँक 07–08–2020 को किया गया।

अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते हुए साइबर क्राइम के वर्तमान परिवेश में साइबर सिक्युरिटी नितांत आवश्यक है। अतः इस वेबिनार में विषय विशेषज्ञों द्वारा दिए जा रहे बहुमूल्य सुझावों पर अमल करें।

प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने कहा कि आईटी क्षेत्र में सतर्कता बरतनी होगी वरना थोड़ी सी लापरवाही से आपका महत्वपूर्ण डाटा चोरी हो सकता है और आप संकट में आ सकते हैं।

संयोजक प्रो. मृदुला दुबे एवं सह संयोजक डॉ. सत्येन्द्र कुररिया ने भी विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला। संचालन एम.एससी. साइबर सिक्युरिटी की छात्रा पलाशी गुप्ता ने किया।

विषय विशेषज्ञों के सुझाव–

वेबिनार के प्रथम दिन अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, म.प्र. डॉ. वरुण कपूर ने साइबर सिक्युरिटी हेतु नवीनतम साक्टवेयर की अत्यन्त ही महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि इनके उपयोग से आपका डाटा सुरक्षित रह सकता है। दूसरे दिन प्रो. आर.के. सोनी, डायरेक्टर, एआईसीटीई, नार्थ रीजन ने तकनीकी बारीकियों के बारे में बताया।

वेबिनार के तीसरे दिन प्रो. उग्रसेन सुमन, देवी अहिल्या वि.वि. ने बताया कि जिस तरह घर को सुरक्षित रखने हेतु ताला लगाया जाता है उसी प्रकार डाटा को सुरक्षित रखने हेतु पासवर्ड का महत्व होता है। अतः अपना पासवर्ड सदैव गोपनीय रखें अन्यथा आपका डाटा हैक हो सकता है।

ये रहे उपस्थित–

इस अवसर पर डॉ. विनोद पटले, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर, डॉ. संतोष सोनी, गुरू घासीदास वि.वि., बिलासपुर, डॉ. विनय तिवारी, दीपेश मिश्रा, मनोज शुक्ला, अतुल सोनी, रजनीश कुमार सहित विभाग के अतिथि विद्वान एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।